झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Jharkhand

चेड़ी-मनातू, पो. कमड़े, थाना – कांके, रांची- 835222, झारखंड

झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक: 23.05.2023 को एक ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई थी। इसमें कुल 35 कार्मिकों ने सहभागिता दर्ज़ कराई। कार्यशाला का विषय 'संसदीय राजभाषा समिति एवं प्रश्नावली' था।

इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में आई.आई.टी खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव कुमार रावत उपस्थित हुए। विश्वविद्यालय के कुलसाचिव और हिंदी अधिकारी ने विषय-विशेषज्ञ का स्वागत किया। डॉ राजीव कुमार रावत ने अपने व्याख्यान में सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग और संसदीय राजभाषा समिति के कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि संसदीय राजभाषा समिति एक संविधान प्रदत्त समिति है जिसमें 30 संसद सदस्य होते हैं जिसमें लोकसभा के 20 और राज्य सभा से 10सदस्य। इस समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाने वाली प्रश्नावली की जानकारी विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि संसदीय राजभाषा समिति भारत की एकमात्र समिति है जो सीधे अपनी रिपोर्ट माननीय राष्ट्रपति को सौंपती है। इसलिए सरकार भी कार्यालयों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग और प्रचार-प्रसार के प्रति गंभीर दिखाई पड़ती है ।

इस कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. कुँज बिहारी पांडा ने कहा कि हिंदी के अधिकाधिक सुकर प्रयोग के लिए अंग्रेजी जैसी सुलभता और लचीलापन का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हिंदी जितनी सरल और सुलभ होगी राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर इसका और मान बढेगा। विश्वविद्यालय के ओ.एस.डी. डॉ. जे.एन.नायक ने इस कार्यशाला की महत्ता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संविधान में हिन्दी की स्थिति पर विस्तार से बातें की गई हैं। इसलिए हमें विशेष रूप से हिन्दी के संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 343-351 को विशेष रूप से समझने की जरूरत है। हिन्दी अधिकारी बतौर डॉ. उपेन्द्र कुमार ने संसदीय राजभाषा समिति की स्थापना, उद्देश्य और उसकी कार्यशैली पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालते हुए की महत्ता पर चर्चा की। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के उप-कुलसचिव श्री उज्ज्वल कुमार तथा संचालन डॉ. उपेन्द्र कुमार 'सत्यार्थी' ने किया।

झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Jharkhand

चेड़ी-मनातू, पो. कमड़े, थाना – कांके, रांची- 835222, झारखंड

दैनिक जागरण - 24.05.23

सीयूजे में आनलाइन हिंदी कार्यशाला का हुआ आयोजन

रांची : सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ झारखंड के राजभाषा प्रकोष्ठ ने संसदीय राजभाषा समिति प्रश्नावली विषय पर आनलाइन हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के तौर पर आइआइटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डा. राजीव कुमार रावत उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकारी कार्यालय के लिए संसदीय राजभाषा समिति प्रश्नावली की गहन जानकारी आवश्यक है। जानकारी के अभाव में गलत रिपोर्ट भेजे जाने की अधिक संभावना रहती है। कहा कि संसदीय राजभाषा समिति सीधे अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपती है। इस बात से हिन्दी के प्रति सरकार की गंभीरता दिखाई पड़ती है। (जासं)

प्रभात खबर - 24.05.23

प्रभात खबर E Paper

बड़ी खबर राज्य मनोरंजन लाइफस्टाइल

सीयूजे में संसदीय राजभाषा समिति पर ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन

रांची: झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ ने 'संसदीय राजभाषा समिति/ प्रश्नावली' विषय पर ऑनलाइन हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया. इस अवसर पर मुख्य वक्ता के तौर पर आइआइटी, खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ राजीव कुमार रावत उपस्थित थे. उन्होनें कहा कि किसी भी सरकारी कार्यालय के लिए संस-दीय राजभाषा समिति/ प्रश्नावली की गहन जानकारी होनी चाहिए. जानकारी के अभाव में गलत रिपोर्ट भेजे जाने की आशंका रहती है. उन्होंने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति सीधे अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपती है. इस बात से हिन्दी के प्रति सरकार की गंभीरता दिखाई पड़ती है. का-र्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो कुंज बिहारी पांडा ने सुझाव देते हुए कहा कि जो प्रयोग के स्तर पर सुलभता अंग्रेजी में हैं वही सुलभता और लचीलापन हमें हिन्दी में भी अपनानी होगी तभी राष्ट्रीय-अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी का प्रचार एवं विकास संभव है. विश्ववि-द्यालय के ओएसडी डॉ जेएन नायक, हिन्दी अधिकारी डॉ उपेन्द्र कुमार ने भी अपने विचार रखे. धन्यवाद ज्ञापन उप-कुलसचिव उज्ज्वल कुमार ने किया.

हिन्दुस्तान - 24.05.23

संसदीय राजभाषा विषय पर कार्यशाला

रांची। केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा मंगलवार को संसदीय राजभाषा समिति/प्रश्नावली विषय पर ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य वक्ता आईआईटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ राजीव रावत थे।

रावत कहा कि किसी भी सरकारी कार्यालय के लिए संसदीय राजभाषा समिति/प्रश्नावली की गहन जानकारी होनी चाहिए। इसके अभाव में गलत रिपोर्ट भेजे जाने की अधिक संभावना रहती है। संसदीय राजभाषा समिति सीधे अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपती है। इस बात से हिंदी के प्रति सरकार की गंभीरता दिखती है।

रजिस्ट्रार प्रो कुंज बिहारी पांडा बोले, जो प्रयोग के स्तर पर सुलभता अंग्रेजी में है। वही सुलभता और लचीलापन हमें हिन्दी में भी लागू करना होगा, तभी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी का प्रचार व विकास संभव है। विवि के ओएसडी डॉ जेएन नायक ने कहा कि भारतीय संविधान में हिन्दी की स्थिति पर विस्तार से विचार किया गया है।